बी.एच.आई.ई.-144

कला स्नातक (इतिहास)

बी.ए. सामान्य (बी.ए.जी.) / बी.ए. ऑनर्स (बी.ए.एच.आई.एच.)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2023 और जनवरी 2024

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.आई.ई.-144

भारत में इतिहास लेखन की परम्पराएँ

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.एच.आई.ई.-144: भारत में इतिहास लेखन की परम्पराएँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
जुलाई 2023 और जनवरी 2024

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है: i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए **3 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)** करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बी.एच.आई.ई.–144: भारत में इतिहास लेखन की परम्पराएँ** नामक वैकल्पिक पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है।

इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत वेटेज है।

सत्रीय कार्य-I में **वर्णनात्मक श्रेणी** (DCQs) के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में **मध्यम श्रेणी** (MCQs) के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में **लघु श्रेणी** (SCQs) के प्रश्न हैं। यह प्रश्न व्यक्तियों, ऐतिहासिक लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द-सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

सत्रीय कार्य जमा करने हेतु निर्देश:

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है **आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें।**

यह सत्रीय कार्य उन विद्यार्थियों के लिए है जिन्होंने जुलाई 2023 और जनवरी 2024 के सत्र में प्रवेश लिया है। आपको सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय-सारणी के अनुसार जमा करवाना होगा :

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2023 सत्र के लिए	**30 अप्रैल 2024**	**पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।**
जनवरी 2024 सत्र के लिए	**31 अक्टूबर 2024**	

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

अन्य सत्रीय कार्यों की तरह आपके यह सत्रीय कार्य भी अपने **अध्ययन केन्द्र के संचालक** को जमा कराना होगा। आपका क्षेत्रीय केन्द्र आपको ऑनलाइन सत्रीय कार्य जमा करने की सुविधा भी प्रदान कर सकता है। इसके लिए आप अपने क्षेत्रीय केन्द्र की वेबसाइट पर देखें कि आपके केन्द्र में ऑनलाइन सत्रीय कार्य जमा करने की सुविधा उपलब्ध है अथवा नहीं।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक **विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली** को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य मे दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।
उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ लिखें और जिन बिन्दुओं पर आप विशेष बल देना चाहते है उन्हें रेखांकित करें** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनााओं के साथ,

इतिहास संकाय

बी.एच.आई.ई.-144: भारत में इतिहास लेखन की परम्पराएँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.एच.आई.ई. -144
सत्रीय कार्य कोड : बी.एच.आई.ई. -144 /ए.एस.एस.टी./TMA/2023-24
अधिकतम अंकः 100

नोटः यह सत्रीय कार्य तीन भागों में विभाजित है। आपको तीनों भागों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1) अंतर्बद्ध इतिहास (embedded histories) की व्याख्या कीजिए। किस प्रकार *दान-स्तुति ऋचाएँ, नरशंसी* और *आख्यान* ऐतिहासिक चेतना को प्रकट करते हैं? 20

2) किस प्रकार *बखर* अतीत को समझने में सहायक होते है? उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए। 20

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित मध्यम श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

3) संगम काव्य से किस प्रकार की ऐतिहासिक चेतना प्रकट होती है? 10

4) फिरिश्ता की इतिहास की अवधारणा की चर्चा कीजिए। 10

5) राष्ट्रवादी लेखन की प्रकृति पर एक टिप्पणी लिखिए। क्या आप इस मत से सहमत है कि राष्ट्रवादी इतिहासलेखन औपनिवेशिक इतिहासलेखन को चुनौती देने के संदर्भ में उभर कर आया? 10

सत्रीय कार्य - III

निम्नलिखित लघु श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

6) अभिलेखों की भाषा परिवर्तन के प्रतीक के रूप में 6

7) *पौमचरियम्* 6

8) अबुल फज़ल की इतिहास संबंधी अवधारणा 6

9) श्रम इतिहास 6

10) रनजीत गुहा 6